Rajasthan me rain samnaya roop se south east me adhik aur North west me Kam hota hai

1. समवर्षा रेखाओं की दिशा

समवर्षा रेखा (Isohyet) = समान वर्षा वाले स्थानों को जोड़ने वाली रेखा।

राजस्थान में वर्षा सामान्यतः **दक्षिण-पूर्व में अधिक** और **उत्तर-पश्चिम में कम** होती है। इसलिए मानचित्र पर समवर्षा रेखाओं का फैलाव **उत्तर-पश्चिम → दक्षिण-पूर्व** दिशा का माना जाता है।

इसे ऐसे समझो:

```
जैसलमेर (कम वर्षा)  --------> झालावाड़/बांसवाड़ा (अधिक वर्षा)
  उत्तर-पश्चिम                    दक्षिण-पूर्व
```

2. भीलवाड़ा वाली बात

चित्र में दिए गए उत्तर में "**भीलवाड़ा सर्वाधिक वर्षा प्राप्त करने वाला जिला**" लिखा है, लेकिन वर्तमान GK के अनुसार यह कथन सही नहीं माना जाता।

आमतौर पर राजस्थान में सर्वाधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में:

- Jhalawar
- Banswara

का उल्लेख किया जाता है।

और **न्यूनतम वर्षा** के लिए:

- Jaisalmer

प्रमुख उत्तर माना जाता है।

Exam Trick

✅ **वर्षा बढ़ती है**: उत्तर-पश्चिम → दक्षिण-पूर्व
✅ **सबसे कम वर्षा**: जैसलमेर
✅ **सबसे अधिक वर्षा**: सामान्यतः झालावाड़/बांसवाड़ा क्षेत्र

यही कारण है कि समवर्षा रेखाएँ उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व की ओर उन्मुख दिखाई देती हैं।

राजस्थान में वार्षिक वर्षा की समवर्षा रेखाएँ (Isohyets)

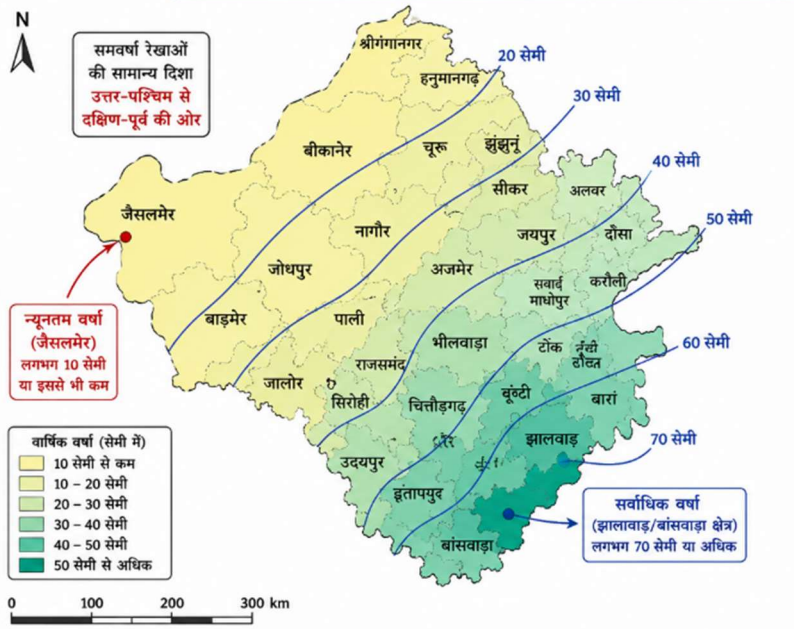

समवर्षा रेखा (Isohyet) क्या है?

मानचित्र पर समान **वर्षा** (Equal Rainfall) वाले स्थानों को जोड़ने वाली रेखा **समवर्षा रेखा** (Isohyet) कहलाती है।

राजस्थान में वर्षा का वितरण

- वर्षा दक्षिण-पूर्वी भाग में अधिक होती है।
- वर्षा उत्तर-पश्चिम की ओर कम होती जाती है।
- इसलिए समवर्षा रेखाएँ **उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व की ओर** उन्मुख होती हैं।

महत्वपूर्ण जिले

सर्वाधिक वर्षा प्राप्त करने वाला जिला	झालावाड़ (बांसवाड़ा क्षेत्र भी)
न्यूनतम वर्षा प्राप्त करने वाला जिला	जैसलमेर

दिशा को समझें

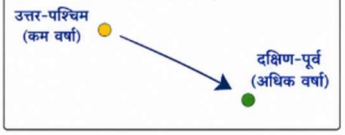

महत्वपूर्ण तथ्य

- राजस्थान में औसत वार्षिक वर्षा लगभग 50 – 60 सेमी है।
- पूर्वी राजस्थान > दक्षिण-पूर्वी राजस्थान > मध्य राजस्थान > पश्चिमी राजस्थान > उत्तर-पश्चिमी राजस्थान **(सबसे कम)**